

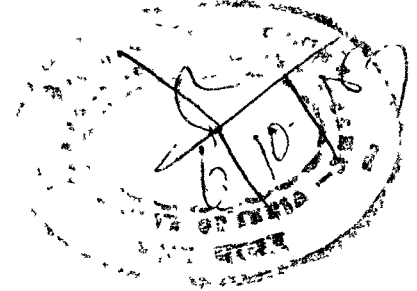


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 155]
No. 155]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 16, 1987/आषाढ़ 25, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 16, 1987/ASADHA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना 201-आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88
नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1987

विषय—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8.025 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आई.पी.सी./23(34)/85-88:—जापान की विदेशी आर्थिक सहायता निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8.025 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों पर शासित शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित की जा रही हैं।

ह./—

(राजीव सोहन मिश्र), मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात
एन. पी. धुवर, उपायुक्त, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 201-आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88 दिनांक 16-7-87 का परिशिष्ट।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8.025 बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें।

खण्ड—1 सामान्य शर्तें :-

1. (1) पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना की आयात आवश्यकताओं को वित्तदान करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 8.025 बिलियन का ऋण भारत सहित जापान और विकासशील देशों के लिए खुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध—I की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1. (2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय तकनीकी विकास/वृजोगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सॉ) येन

का मूल्य 8.83 विलियन (ताम्र बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का कृषि में मत्स्य, राजस्व, विमान (सामान) द्वारा अधिमूर्चित विमान वर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित कर और मुख्य निर्यात, आयात-निर्वाह, आयात की गई सार्वजनिक संपत्ति सं. 78—प्राई. टो. सी. (प्र. पत्र.)/74, विभाग 6 जन. 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संश्लेषित कर पर निर्धारित किया जाएगा, जिनमें यह उल्लेख है कि सीमा-शुल्क प्राधिकारों को विदेशी मूद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस मूल्य के नामों अलेख। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी युन श्रृण सं. आई. ओ. पी. - 40 होगा।" प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एल./ज.सो." कोड होगा। पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड को आयात लाइसेंस भेजने समय मुख्य निर्यात, आयात-निर्वाह के पक्ष में भी इसे बुद्धिवा आयात, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को प्रेषित की जानी चाहिए।

1. (3) लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर केवल पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड के नाम से लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1. (4) आयात की सुविधा पर निर्भर करने हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के आरंभ जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 8.83 विलियन (ताम्र बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1. (5) आयात लाइसेंस की वैधता, में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए दी जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1. (6) क्रेडिट के अधीन वित्तियन किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1. (7) विदेशी मूद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1. (8) पक्के आदेश अनुबंध—I में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निष्पक्षक के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर अधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभाव का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन प्रत्येक आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित प्रत्येक संवदा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकर्ताओं पर आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1. (9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की हम जर्त का सब तक अनुमान किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, बल्यू. ई.-1 अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। बि उपर्युक्त पैरा-1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर बंद कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो इन कारणों

का उल्लेख करके हुए लाइसेंसधारी को आवेदन लाइसेंस को मर्यादित लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्राप्त कर देना चाहिए। आवेदन देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरस्त करने से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, के आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले को पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को देंगे। वित्तको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विमागीय पत्राधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन दिए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकृत पत्र तुरन्त तयप जमा कराने आदि को स्वीकार्य को सुविधाओं की अनुमति देगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीनों के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। मान के पोतलवान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। किसी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किसम की श्रृण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मान के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साध-पत्र का प्राप्ति के बाद ————— महीने परन्तु अधिक से अधिक ————— के अन्त तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतलवान के लिये प्राप्ति तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि यह तिथि 30-6-1991 के बाद की न हो।

अध्या-2 संभरण ठेके का समशीतो करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें—

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निष्पक्षक मूल्य/लागत एवं भाड़ा मूल्य येन में (येन को भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिये और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिये जो कि भारतीय रुपये में पुराना चाहिये।

भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिये। रूप आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिये।

2(2) श्रृण की घनराशि में से वित्त घोषित की जाने वाले सभी मान और सेवाओं की अधिप्राप्ति, निम्नलिखित परिपूरक नियमों सहित श्रृण के अधीन अधिप्राप्ति के मार्ग-दर्शनों के अनुसार की जाएगी:—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के मान और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में—

(1) यदि पूर्ण अर्हता सहित खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा में बिना अधिप्राप्ति किये विधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिये ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उसके पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

(2) सकल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यकृत रिपोर्ट सट्टा निर्णय के अनुमोदन के लिये आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जायेगा। निर्णय और बोली मूल्यकृत के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ अर्हता की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोली-

कारों को दिये गये नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टीकरण और ड्राईंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिये ओ.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खर्चे उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसकी पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत की जायेंगी।

(ग) परामर्शदाताओं की नियुक्ति, परामर्शदाताओं की नियुक्ति के लिये मार्गदर्शनों, के अनुसार की जायेगी। परन्तु निम्नलिखित के लिये ओ.ई.सी.एफ. का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा :-

- (1) संदर्भ की शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) आमन्त्रणपत्र
- (4) संक्षेप मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट ड्राफ्ट संविदा
- (5) ड्राफ्ट संविदा।

(घ) आयातक उपर्युक्त (क)(1), (क)(2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र आयातक दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो आगे उसे ओ.ई.सी.एफ. को भेजेगा।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो, द्वारा 1986-87 के लिये ओ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-40 के अधीन खोले गये अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिये। जिसका ब्यौरा नीचे खण्ड-6 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिये। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिये आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिये।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शामिल वैध व्यक्ति होंगे।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक मूल्य के 30 प्रतिशत से कम हो :-

आयातित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य-आयात शुल्क

----- X 100

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाना मूल्य अपनाया जायेगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पक्षता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जायेगी :-

"मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल ----- (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं, अधोहस्ताक्षरी जाने यह प्रमाणित करता हूँ कि ऐसी पूरा जानकारी और विश्वास के अनुसार प्रपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है :-

आयातित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क

----- X 100

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(जहां कारखाना मूल्य लागू हो)

और

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि ----- (पात्र स्रोत देश का नाम) में ----- (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिये।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच तांस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के लिये येन क्रेडिट सं. आई.डी.पी.-40 (परियोजना सहायता) से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिये और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं. आई.टी.पी.-40 से संबंधित 13 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किये जायेंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिये कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिये सहमत है और इस उद्देश्य के लिये यह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम से अवगत करायेगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक ब्यौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिये सहमत होना चाहिये और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भीजी जानी चाहिये।

खण्ड-4 ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसकारी को ठेके आदेश देने के लिये निर्धारित अवधि के अंतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विविध हस्ताक्षरित

डेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत बैंड आयात लाइसेंस की वी फोटो प्रतियां सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन की दो प्रतियां" आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिये।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी डेकों के लिये और डेकों की बिज व वस्तु के लिये अनिवार्य आशोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) डेके की एक प्रति के साथ डेके के निर्गम का नोटिस प्रो.ई.सी.एफ. को पुनरीक्षा के लिये भेजेगा। प्रत्येक नोटिस की एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कॉपी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन" की एक प्रति के साथ सी.ए.ए. एण्ड ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान—साख पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से डेके के निर्गम का नोटिस और डेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाखा को संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो शाख सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिये) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय, साक्ष्य लेखनी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां प्रो.ई.सी.एफ. भारतीय दूतावास टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय की पृष्ठांकित की जायेंगी।

5(2) प्राधिकार-पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिये लागू) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये लागू) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (प्रो.ई.सी.एफ.) भारतीय दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साक्ष्यपत्र खोलने के लिये उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिये आवश्यक समझे जाये वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतस्थान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से माध्यम में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। जो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद उक्त धनराशि की प्रति-पूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख पत्र खोलने, उसके प्रवीन खोला करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकों के अन्य प्रभारों के लिये बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रसार आयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाये जायेंगे संविदा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति होने पर प्रो.ई.सी.एफ. द्वारा एक वचनबद्धता पत्र जारी किया जायेगा। यह धनराशि प्रो.ई.सी.एफ. द्वारा शून्य/निधियों से स्वतः भरा की जायेगी। आयातक को प्रो.ई.सी.एफ. से या लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर वचनबद्धता खर्च के इस पत्र के मूल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा कराना पड़ेगा। प्रो.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि

त और रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) का ब्याज भी आयातक द्वारा चालू दर पर भरा किया जायेगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के खर्च भी प्रतिपू क्रिया के अधीन देय है। विदेशी संभरक को आयातों की लागत के भुगतान की तिथि से प्रो.ई.सी.एफ. द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक की गिने जाने वाली अवधि के लिये भारतीय बैंक, टोकियो को देय ब्याज के खर्च भारत के सम्बद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत के लेखों को प्रभावित किये बिना सामान्य बैंकिंग चैनल के माध्यम से भारतीय बैंक, टोकियो को प्रेषण करके देय किया जायेगा।

5(5) प्रति-पूर्ति क्रिया-विधि—भारतीय संभरकों से माल एवं सेवाओं की खरीद के लिये ऋण की धनराशि के विवरण के लिये क्रिया विधि, ऋण यंत्रों के नाम तथा की गई प्रति-पूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिये उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र में परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंक को निरूपवाद रूप से प्रक्रम्य अज्ञान रानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस इजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिये समय-समय से चालू वर्तमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हितान से गिती गई मेन भुगतान के समतुल्य रुपये के लिये ब्याज प्रसार और उम्मेद अधिक की अवधि के लिये वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रसार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जना कराने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिये कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जायेगा। आयातक को संभरक की किये गये भुगतान की धनराशि और तारीख का निश्चय करने के लिये प्रलय से व्यवस्था करनी चाहिये। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोंत परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति को रुपया निक्षेप पर देय व्याज की आर्थिक और पूरी धनराशि की छूट के लिये स्वीकार नहीं किया जायेगा। विदेशी संभरक को किये गये येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिये अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की यह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और ब्याज की दर से सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। वह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की ज़िम्मेदारी होगी देय धनराशि आयातकों को अपने धनराशि कोपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर देना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं के दस्तावेजों की मुद्राई लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। उक्त सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सहायरी खाते में ठीक

प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वगी प्राप्त करने हैं। यदि आयातक सरकार की वेब धनराशि को माल की सुपुर्वगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और नामने की स्पोर्ट मुख्य न्यायिक, आयात-नियान को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिन लेखा गोप्य में उल्लेख निरोध किया जाएगा वह "के डिपोजिट एडवाइज 843 सिविल डिपोजिट-डिपोजिटस फार पर-बेजिज एड स्टु एशोड अण्डर रेडिट्स सोल इमीमेंट" "लोन फोम दि गवर्न-मेंट ऑफ जापान 8 025 विनियम येन रेडिट सं आई टी पी -40 फार ए "नोस्टा नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना" होना चाहिए।

6(2). ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय "रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लीम लिमिटेड, दिल्ली में आयात के ऊपर निर्धारित तरीके से यद् प्रतिरित धनराशि सेवाओं के निमित्त भेजना जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आयात के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/इनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3). भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यद् प्रतिरित धनराशि सेवाओं के निमित्त भेजना जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आयात के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/इनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना आयात के काममें "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण धीरे से" निरूपण रूप में निरूपित किए गए हैं। आयात आयात में निम्नलिखित धीरे निरूपण रूप से प्रस्तुत किये चाहिए:

(क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनार्ड गई परिवर्तन को दर के साथ निरूपित किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक की भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधि-कार पत्र का संदर्भ वेबे हुए और खीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए आयात आयात व. जमा करने का समय वेबे हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वेब का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो को आयातकी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरूपण रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4). भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति वर शय्या निरूपण की धनराशि का पुंठान करना चाहिए और अनेक "एड" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

आइ-8 विविध व्यवस्थाएं

8(1). आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट—आयातक को पोतलदान और उनके मालीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि

के बारे में साथ पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायक लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रण, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय यू. सी. सी. बैंक ब्रिडिंग, संभर मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2). संभरक को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना—लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल को आने में संभरक पर प्रभाव पालता है।

8(3). विवाद—यदि संभरक लेखा रटि, नि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठे तो उनके बिच् भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान में पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त अनुबन्ध-2 में "भुगतान की शर्त" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संभरक को शर्तों में विवाद के निराकरण से सम्बद्ध अवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

8(4). भविष्य अनुदेश—आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाली किसी सामने या सभी मामलों में संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ ये: हेड समन्वो (परिचालन मालाना) स आई टी. पी.-40 के अधिन सभी सामानों को विदेशी आर्थिक निगम निधि, जापान (ओ. ई. ई. ए.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5). प्रतिफलन या उर्वणन—उर्वणन खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिफलन या उर्वणन करो पर आयात-नियम (निर्वाण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

9(6). अनुबंधों की सूची—

- | | |
|--------------|---|
| 1. अनुबन्ध-1 | पात्र स्रोत देशों की सूची |
| 2. अनुबन्ध-2 | प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबन्ध |
| 3. अनुबन्ध-3 | प्राधिकार पत्र का प्रपत्र |
| 4. अनुबन्ध-4 | साथ पत्र का प्रात्र (सांस्थिक आयातों के लिए लागू) |
| 5. अनुबन्ध-5 | साथ पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू) |
| | अनुबन्ध-1 |

पात्र स्रोत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से विश्व विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

मिश्र

मोरोक्का

तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला, ब्रेजिल

बीनेज़

बाव

मध्य गिनि (1)

माला

कीनिया	कीस्टारिका
माल, गामो गणतंत्र	एल सालवाडोर
माल्टेनिया, मारीशस	हेतो
पुर्तगाली गिनी रि	माटिनिक
बाण्डा	निकारगुवा
सिवरा लिथोन	ट्रिनिडाद और टोबागो
स्वीजीलैण्ड	वेलाइज
यूगाण्डा	ब्यूटा
आइरे गणतंत्र	बुवाडे लोप
बोत्सवाना	होन्डुरस
कैप वर्डी द्वीप समूह	मैक्सिको
कमोरो द्वीप समूह	पनामा
इथोपिया	कैस्ट इंडो (मारा) एन फाई ई
गिनी	
सेसीली	(1) पहले स्वेनी गिनी का प्रवेश, फरान्सा को दीप हित
जालाबो	(2) निम्नलिखित द्वीपों हित :—
मुजम्बिक	असेशन, ट्रिनिडाद इन एसो वज ; नाइटिंगेल, गफ
रियूनियम	(3) मुख्य दीप भूट, अरुबा, बोनाइरे, क्यूरोकोओ, लाहा, लेम्ड-
सेनेगल से	हैलेना और द्वीप (2) तबो टोना एण्ड प्रिसेप
सोमालिया	
टेरी आर्सेल ओतु इस्वास	4. दक्षिणी अमेरीका
तंजानिया गणतंत्र संघ	अर्जेंटीना
जाम्बिया	चिली
युरण्डी	फ्रांसीसी गुयाना
केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र	पेरू
गंगोक, दाहोसे का गणतंत्र	बोस्निया
जाम्बिया	कोलम्बिया
आइवेरी कोस्ट	गुयाना
साइबेरिया	सुरिनाम
माली	मार्जाल
नाइजर	फाल्क लैण्ड द्वीप समूह
रोडेसिया	पराग्वे
सेचिलिज	उरुग्वे
सूडान	
टोगो	5. मध्य-पूर्वी एशिया
अपर वोल्टा	बहरीन
	लेबनान
3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय	यूनाइटेड अरब्स इमिरात (3)
बेनुमस	इजराइल
बरमुडा	ओमान
डोमिनिकन गणतंत्र	यमन अरब गणतंत्र
ग्वाटेमाला	जोर्डन
जमैका	तिरिआई अरब गणतंत्र
सीबरेलैण्ड आस्ट्रेलिया	यमन जनवादी का
सेन्ट. विन्सेन्ट और निकोलस	
(क) सह संबंध राज्य (1)	इरी प्राय (4)
(ख) अश्विन (2)	6. दक्षिण एशिया
बारबाडोस	प्रफ़ानिस्तान
	यमन

भारत

बांग्ला देश

भारत

पाकिस्तान

भूटान

माल द्वीप

श्री लंका

मुंबई पूर्वी एशिया

जकार्ता

कोरिया गणतन्त्र

मनेओिया

विजयनाम गणतन्त्र

हांगकांग

लाओस

फिलिपाइन

विजयनाम जनवादी गणतन्त्र

खमेर गणतन्त्र

मकाओ

तिमोर

8. ओसिनिया

कोन द्वीप समूह

फॉक्सो पोलिनेशिया (5)

न्यू हेब्रिडिस (प्रि और फ)

पापुवा न्यू गिनी

वालिस और फुतुना

किर्जी

शारू

नियू

सोलोमन द्वीप समूह (आ०)

पश्चिमी सागोआ

गिल्बर्ट और इलावस द्वीप

न्यूकेलेन्डोनिया

पेसिफिक द्वीप समूह

(संयुक्त राज्य (6)

टोंगा

9. यूरोप

स. हप्रस

माल्टा

यगोस्लाविया

जिब्राल्टर

स्पेन

ग्रीक

यूरोपी

(1) मुख्य द्वीप एडिम्बुगा, ओमिनिका, वनेडा, सेन्ट क्रिस्ट (सेन्ट क्रिस्टोफो) मेक्सिमा भंगुइला, सेन्ट लुसिया और सेन्ट क्रिस्टोफो

(2) मेन आईलैण्ड, मोन्तेसरेत, सेमान, तुर्की और बार्डोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।

(3) अजमन, दुबई फुजाइरा, रास खस सेमाह, शरजाह और उम अल कवैयन

(4) अजमन और ब्रिटिश सल्तनत और अमीरात सहित।

(5) सोसायटी आईलैण्ड समूह (ताहिती सहित) को शामिल करने हुए अ.स्टूल द्वीप समूह, टुआमोठ, जाम्बियर ग्रुप और माकेसम द्वीप समूह।

(6) वैसिफिक द्वीप समूह की ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मर्शल द्वीप समूह और मेरिन द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)

(क) 2-ओ पी ई सी के सदस्य या सहयोगी देश

अल्जीरिया

ग्रेकोन

बेन्गुइला

कुवैत

घाना घानी

सीसिविया

नाइजीरिया

ईराक

कतार

इन्डोनेशिया

लीबियाई अरब गणतन्त्र

इक्वेडोर

इराक

सऊदी अरब

अनुबंध-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए धार्यदन-पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग,

यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय: येन क्रेडिट सं. आईडीपी (1985-86 के लिए परियोजना सहायता)

के अंतर्गत आपान से

का प्रायात।

सहायक, ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आईडीपी (परियोजना सहायता) के अधीन से को प्रायात

के संबंध में (बैंक का नाम) जो कि यही होना चाहिए जो सीधे (१) में संबंध समुद्रपार संभरक के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, को प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करते हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) प्रायात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य वह तारीख जिस तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके—क्या वह सीधे कय या औपचारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर प्राधारित है? इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो उसके सहित, यह संकेतित होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्माण उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है?

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण

- (क) माल का उद्गम देश ।
- (ख) यदि कोई हो तो पात्र से भिन्न ओत देशों से आयातित संघटकों का प्रतिगत ।
- (घ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क मूल्य (येन में) ।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में) ।
- (झ) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क लागत तथा मोटा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है ।
- (ञ) समुद्रपार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक ।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता ।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनको संविदा के अंतर्गत भुगतान देय होंगे ।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।
- (ण) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैंट की संख्या और उसका निपटान दिखाते हुए) ।
- (त) पोतलवान धनुदेश बाह्यतारण/पार्ट-लिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निश्चित कीजिए ।
- (थ) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।
- (द) क्या उसी ब्रांच/से से अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और आपकी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अंतर्गत ओईसीएफ. को इसे अधिसूचित किया गया है ।
- (व) क्या साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातकों/या संभरकों वहन किए जाने हैं ।
- (ध) आयातक द्वारा बचनबद्धता :—
"हम एतद्द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समस्त रूपों को पूरा और सही जमा करने का बचन देते हैं । प्रत्येक निशेष माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी । विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए उ्यों ही विदेशी संभरकों के बीजक हमारे द्वारा अनुमोचित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, त्यों ही धनराशियां जमा करा दी जाएं ।"

अनुबंध-3

सं. एक—
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
प्राथमिक कार्य विभाग

सेवा में,

बैंक ऑफ इंडिया,
टोकियो शाखा
टोकियो (जापान)

नई दिल्ली

विषय: येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई बी पी के अधीन आयात साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपकी एतद्द्वारा यथा संलग्न म्योरी के अनुसार सर्वे श्री— के नाम में— येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओईसीएफ., भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए ।

3. साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा भुगतान के साथ ओईसीएफ. को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए ।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको— (आयातक के बैंक का नाम और पता) को मूल पोतपरिवहन दस्तावेज (मौल तोल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण सैंट और नकब भुगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किए गए भुगतानों के लिए क्रेडिट एडवाइस की एक प्रति भेजनी चाहिए ।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से और ओईसीएफ. द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपकी देय ब्याज प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के लेख को पेशावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के संबंध बैंक के साथ किया जाएगा । बैंकों के अन्य खर्च, जिसमें साख-पत्र खोलने, रख-रखाव करने और साख-पत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी शामिल हैं क्योंकि वे मा. परकास्म दस्तावेजों के संचालन से संबंधित हैं और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इन नए ब्याजों द्वारा उक्त भुगतान नहीं किया जायगा और इसलिए, उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है । इस प्रकार ऐसे भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा ओईसीएफ. में नहीं किया जा सकता है ।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसको सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए ।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए है इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मदे खोले गए पत्रों के तत् साख-पत्र या साख-पत्रों में बाद में संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जाएगा ।

8. यह प्राधिकार पत्र— तक वैध रहेगा ।

9. कृपया ठेके से संबंधित सभी पत्राचारों में और भुगतान प्रदर्शित करने वाली एडवाइस में भी प्रस्तुत धनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का हवाला दें ; ।

भवदीय

लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को

1. आयातक— को उनके/पत्र सं—
दिनांक के— के संदर्भ में ।

उत्तम धनुरोध है कि वे बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिजीबरी देने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया-निशेष प्राप्ति जमा कराने का प्रबंध करें । अपवाद परिस्थितियों के

हम में यदि माल की डिस्चार्ज सीधे ही सोपा शुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे, बना हुआ प्राप्त कर ली जाती है तो डिस्चार्ज लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबंध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाए। निक्षेप शीघ्रता और उचित रूप से न करने पर लाइसेंस शर्तों के अनुरूप कार्रवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंक-----को यह आयात लाइसेंस-----
-----दिनांक-----के संदर्भ में है। यह प्राधिकारपत्र येन-क्रेडिट के अधीन आयातों को नियंत्रित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के अंतर्गत जारी किया जाता है। कृपया लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/आदेश का अवलोकन किया जाए और आयात/विदेशी भुगतानों से संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को सुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की भुगतान सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख से बैंक ऑफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा कराना अपेक्षित है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है, अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल तैयार होने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में बालासोर के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-68, 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है वह लेखाशीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है "कि डिपॉजिट्स एंड एडवांसेज—843-सिविल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एस्टेसटा अंडर परचेजिंग अंडर क्रेडिट/लोन एप्रोमेंट लोन क्रोम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान विलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) स. आई डी पी-35 फार 1985-86 है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार तुरंत जमा कराना है उसमें बालान के मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक ऑफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पण का पूर्ण विवरण देने हुए अपेक्षित पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जाएगी—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),

पहली मंजिल, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग,

मंद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिन मामलों में तुल्य रुपया अपार संकेतित सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 24-10-68 में यथा-उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा व्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भुगतान की तिथि से और ओ ई सी एफ द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक के बीच के समय के लिए बैंक ऑफ इंडिया को देय व्याज प्रभार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के बैंक के साथ निपटाए जायेंगे।

- निदेशक, ऋण विभाग-2,
समुद्र पार आर्थिक सहयोग निधि,
टेकवसी स्प्रूडी बिल्डिंग,
4-1, ओहाटोमेची 1-कोने,
चियेडा, कू, टोकियो 100- जापान।
- भारतीय दूतावास, टोकियो।
- अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

अनुबंध-4

(ओ ई सी एफ एल सी-1 प्रपत्र)

अपरिवर्तनीय साख-पत्र
(माल के लिए लागू)

दिनांक

मेवा में

प्रिय महोदय

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी
आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार
सं.-----दिनांक-----के अनुसरण में
(संभरक का नाम और पता जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम से निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी हुण्डी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं.-----बोल दिया है जो-----येन (-----येन कह सकते हैं) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित बाणिज्यिक बीजक

क्लीन ग्रान बोर्ड, समुद्री पोत लदान बिल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सैट हो बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अन्य दस्तावेज जिसमें-----से तक लदान का मत्प्राप्त दिया गया हो। संविदा से----- (यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। बाह्यंतरण स्वीकृत है।

पोतलदान बिल जो-----से बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। आदेशिनी को-----19 तक अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट दस्तावेज पर यह अंकन होना चाहिए अपरिवर्तनीय साखपत्र सं.-----दिनांक-----19 के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं. (संख्या) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्द्वारा बचन देने के कि इस क्रेडिट के अंतर्गत श्रीर भुगतानों की अनुपालन करने निषाधवाण गण सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप में बिस्तारपूर्वक न बताया जाए कि क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रोबिस कार शान्सेटरी क्रेडिटम (1974 रिबीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स पब्लिकेशन नं. 290" के अधीन है। मोदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश हैं :

उपर्युक्त श्रृण करार के अंतर्गत जारी किए गए बचन पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम बचन देने हैं कि हम मोदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार दृष्टी की धनराशि को लौटा देंगे।

2. मोदा करने वाले बैंक को यह बताने हुए कि हम ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और इसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजें कि शेष दस्तावेज मोघे ही हवाई टाक द्वारा-----को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के खर्चे आवाजक/मभरक के लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

(-----)

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा-----

आधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान गर्ने

यह भुगतान हमारी साक्ष्यपत्र नं.-----का अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि-----येन जो कि कुल संविदा मूल्य के-----प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि-----येन जो कि कुल संविदा मूल्य का-----प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

3. पोतवदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि-----येन संविदा के कुल मूल्य का-----प्रतिशत है।

टिप्पणी: पोतवदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में हम संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध-3

(ओ ई सी एक एल सी प्रपत्र-2)

अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक-----

सेवा में,

हम साक्ष्यपत्र जारी और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए करण करार में-----

(मभरक का नाम य पना)

दिनांक-----

के अनुसरण में जारी

किया गया है।

धिय सहोदय,

हम आपकी सूचित करने हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण धोरे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र नं.----- खोल दिया है जो येन----- (येन-----पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

हममें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा----- और परियोजना-----) में संबंधित दस्तावेजों की नकली करना है मोदा तय करने के लिए ड्राफ्ट-----में पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र नं.----- दिनांक----- के अंतर्गत भुता लिए गए हैं, मे विहित होने चाहिए।

यह क्रेडिट हस्ताक्षरणीय नहीं है।

हम एतद्द्वारा बचन देने के कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों को अनुपालन में भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी की सुपुर्दगी पर विधिवत स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप में बिस्तारपूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रोबिस कार शान्सेटरी क्रेडिटम (1974 रिबीजन) इंटरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स नं. 290" के अधीन है।

मोदा करने वाले बैंक को विशेष आदेश:-----

हममें संलग्न प्रपत्र के अनुसार कृपी और इसके मनोनीत अधिकाारी द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान हममें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के यज्ञा लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

आर उल्लिखित श्रृण गमनीने के अधीन जारी किए गए बचनपत्र पत्र के उपबंधों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि मे अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मोघे तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार अपेक्षित करने का बचन देने हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और मसौदे हमें उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जाएंगे।

4. हम साथ के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च संस्करणों के लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा-----

(आधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साक्ष्यपत्र नं.-----का एक अभिन्न अंग है।

(आधिकृत संस्थाद्वारा)

वास्तविक विप्यास का विवरण इसमें संभवतः पत्र में दर्शाया जाएगा

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and

the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 40". The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of West Bengal State Electricity Board on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 8.83 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh licence may be referred to the Department of Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB, C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond

8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-1993.

Section II.—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB, C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification,

notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc., will be submitted to OECF for its review.

- (c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

- (1) Terms of Reference
- (2) Short List of Consultants
- (3) Letter of Invitation
- (4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.
- (5) Draft Contract

- (d) The application documents mentioned in (a) (i), (a) (ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 40 for 1986-87 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country)".

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (Name of eligible source country), and is controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)".

Section III.—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th December, 1986 concerning the Yen Credit No. ID-P. 40 (Project Aid) for Teesta Canal Hydroelectric Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 40 dated 18th December, 1986 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Import-

ters require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV.—Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licenses should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A. in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of E.A.) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract of OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V.—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA & A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his

bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI.—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping

etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN) 74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—8.025 Billion yen credit No. ID-P. 40 for the Teesta Canal Hydroelectric Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130600009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN) 68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN) 68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances

and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII.—Miscellaneous Provisions.

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, UCO bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 40 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

- Annexure I List of eligible source countries.
 Annexure II Request for issue of Letter of Authority.
 Annexure III Form of Letter of Authority.
 Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).
 Annexure V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPLC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
 Morocco
 Tunisia
 Senegal
 Seychelles
 Sierra Leone
 Somalia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
 Benin
 Botswana
 Burundi
 Cameroun
 Cape Verde Islands
 Central African Rep.
 Chad
 Comoro Islands
 Congo, People's Republic of Dahomey
 Equatorial Guinea (1)
 Ethiopia
 Gambia
 Ghana
 Guinea
 Ivory Coast
 Kenya
 Lesotho
 Liberia
 Malagasy Republic
 Malawi
 Mali
 Mauritania, Mauritius
 Mozambique
 Niger
 Portuguese Guinea
 Reunion
 Rhodesia
 Rwanda
 Sudan
 Swaziland

Terro. Afars and Issas

Togo

Uganda

Un. Rep. of Tanzania

Upper Volta

Zaire Republic

Zambia

St. Helena and dep (2)

Sao Tomo and Principe

III. AMERICA, North end Cont.—

Bahamas

Barbados

Belize

Bermuda

Costa Rica

Cuba

Dominican Republic

El Salvador

Guadeloupe

Guatemala

Haiti

Honduras

Jamaica

Martinique

Mexico

Netherlands Antilles

Nicaragua

Panama

St. Pierre & Miquelon

Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South.

Argentina

Bolivia

Brazil

Chile

Colombia

Falkland Islands

French Guiana

Guyana

Paraguay

Peru

Surinam

Uruguay

V. ASIA, Middle East.—

Baharain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldivis
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East.—

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of Lub
Laos
Macao
Malaysia
Philippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA.—

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonia
New Hebrices (Br. and Fr.)
Nine
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus

Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

1. Main Islands : Antique, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis -Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
 2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
 3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
 4. Including Aden and various sultantes and emirates.
 5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
 6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)
- (a2) Member of Association Countries of OPEC
- Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. _____ Date _____
To _____

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi—110001.

Sub: Import of _____ from _____ under the
Yen Credit No. ID—P— (Project Aid
for 198—8).

Sir,

In connection with the import—~~from~~—
under the above mentioned Yen Credit No. ID—P
—(Project Aid) we furnish the following parti-
culars to enable you to issue the Letter of Authority
to the — (name of the Bank) which should be
the same as given in (P) below for opening a letter of
credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/ C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with over-seas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas supplier :
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in india.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/ or supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE-III
(Letter of Authority form)

No. F.

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan.).

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P.....Issue
of Letter of Authority for opening Letter of
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yenfavouring M/s.
.....as per attached details.

2. A Copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to(Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (Negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you

by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to:—

1. Importer.....with reference to their letter No.....dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payments. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Banker.... This has reference to import Licence no.—dated—. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notices/orders etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2.(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the public Notice No. 8- ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or such other public Notices as may be issued from time to time, Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of public Notice No. 31 ITC (PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the originals set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the public Notices No. 184— ITC (PN)/68 dated 30-3-68, 233—ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103 ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases, etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Governments of Japan billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. for 198—8.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132 ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Co-operation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1 Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV
Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

To _____

Date : _____
This letter of Credit has been issued pursuant to Loan _____

Agreement No. _____
Dated _____
between (Borrower) and
THE OVERSEAS
ECONOMIC CO-OP-
ERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ Y _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify"
Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from _____ to _____ Partial shipments are permitted. Transshipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____. All Drafts and documents under this credit must be marked _____ "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____, dated and Import Reference No. (s) _____ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision,) International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By _____ :
(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount : Y _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Y _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Y _____
 being _____ % of the total
 contract price.

Note :—This attached sheet is not required in case
 of full payment against shipping documents.

ANNEXURE-V
 Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit
 (Applicable for Services)

To _____

Date : _____

This Letter of Credit has
 been issued pursuant to
 Loan Agreement No. _____

(Name and address of
 the Supplier)

dated _____
 between (Borrower) and
 THE OVERSEAS
 ECONOMIC CO-
 OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached

hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I Initial Payment

Amount : Y _____
 being _____ % of the total contract price
 Required documents : beneficiary's Statement
 Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Y _____
 being _____ % of the total contract price to be paid as follows:

Amount due	Latest presentation
_____	_____
_____	_____

1st Instalment : Y _____

2nd Instalment : Y _____

Required document : A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To

ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance
with the Payment Terms stipulated in the Con-
tract No....., dated.....
between and

(Name and address of the
Supplier)

(Borrower)

Re : Letter of Credit No., dated
issued by
for Y in favour
of concerning

By :

(Authorized Signature)

Project under Loan Agreement No.

I, the undersigned, representing (Borrower),
hereby issue a Statement of Performance to entitle
..... to receive the sum of Y
(Yen only) from THE OVERSEAS

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be
stated in the sheet attached hereto.